सत्यमेव जयते
भारत सरकार

वार्षिक रिपोर्ट

राष्ट्रीय सुशासन केंद्र

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
भारत सरकार

“ सुशासन देश की
प्रगति की कुंजी है। ”

श्री नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री, भारत

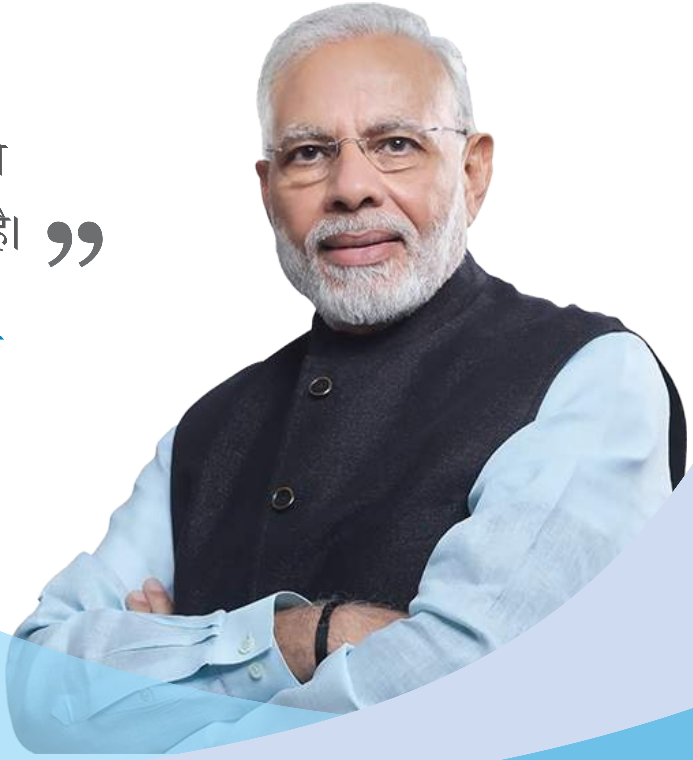

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

वार्षिक रिपोर्ट

राष्ट्रीय सुशासन केंद्र

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
भारत सरकार

अनुक्रमणिका

कार्यकारी सारांश	
परिचय	1
वर्ष 2021-22 के दौरान एन.सी.जी.जी. की गतिविधियां i.) सहकारी परियोजनाएं ii.) प्रकाशन iii.) एन.सी.जी.जी., मसूरी में उपलब्ध सुविधाएं	2
एन.सी.जी.जी. टीम	8
अनुबंध I: राष्ट्रीय सुशासन केंद्र के शासी निकाय के सदस्य	12
अनुबंध II: राष्ट्रीय सुशासन केंद्र की प्रबंधन समिति के सदस्य	12
अनुबंध III: मालदीव के सिविल सेवकों के लिए फील्ड एडमिनिस्ट्रेशन में क्षमता निर्माण कार्यक्रम का विवरण	13
अनुबंध IV: जम्मू और कश्मीर प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए फील्ड एडमिनिस्ट्रेशन में क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का विवरण	13
अनुबंध V: एन.सी.जी.जी.-आईटीईसी वेबिनार श्रृंखला का विवरण	13
अनुबंध VI: सुशासन वेबिनार श्रृंखला का विवरण	14

कार्यकारी सारांश

राष्ट्रीय सुशासन केंद्र (एन.सी.जी.जी.), कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के तहत 2014 में स्थापित एक शीर्ष-स्तरीय स्वायत्त संस्थान है और यह, एन.सी.जी.जी. की वर्ष 2021-22 की वार्षिक रिपोर्ट है। इस दस्तावेज़ में, 01 अप्रैल, 2021 से 31 मार्च, 2022 तक केंद्र द्वारा संचालित गतिविधियों, प्रकाशनों, कार्यक्रमों, सहकारी परियोजनाओं आदि का सारांश दिया गया है। इसमें वर्ष 2021-22 के लेखाओं का अंकेक्षित विवरण भी शामिल है।

एन.सी.जी.जी. को, भारत और अन्य विकासशील देशों के शासन, नीतिगत सुधार, क्षमता निर्माण, और सिविल सेवकों तथा टेक्नोक्रेट्स के प्रशिक्षण के क्षेत्रों में काम करने का दायित्व दिया गया है। यह केंद्र, एक थिंक टैंक के रूप में भी कार्य करता है। राष्ट्रीय सुशासन केंद्र, ऐसी विभिन्न पहलों और सर्वोत्तम प्रथाओं के संबंध में सूचना की नेशनल रिपोजीटरी के रूप में कार्य करता है जो सुशासन, पारदर्शिता और बेहतर पब्लिक सर्विस डिलीवरी को बढ़ावा देती हैं। केंद्र विभिन्न राज्यों/ संघ राज्यक्षेत्रों और अन्य विकासशील देशों के सिविल सेवकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान दे रहा है।

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान, कोविड-19 महामारी के दौरान, केंद्र ने पासपोर्ट सेवा केंद्रों के डिजिटल ई-गवर्नेंस मॉडल के ज्ञान को साझा करने और क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना – उडान पर 13 देशों के प्रतिभागियों के साथ 'प्रशासनिक नवाचार' विषय पर दो आईटीईसी वेबिनार आयोजित किए। केंद्र ने दुनिया भर में और भारत में प्रचलित शासन प्रथाओं, सुधारों और प्रशासन की चुनौतियों पर वेबिनार की एक श्रृंखला भी आयोजित की, जिसमें वरिष्ठ सिविल सेवकों, भारत के 100 से अधिक विश्वविद्यालयों के लोक प्रशासन, राजनीति विज्ञान और समाजशास्त्र में विशेषज्ञता प्राप्त शिक्षाविदों, आकांक्षी जिलों के जिला कलेक्टरों, शोधार्थियों और विशेषज्ञों ने भाग लिया। केंद्र ने, इस अवधि के दौरान जम्मू-कश्मीर और मालदीव के 200 से अधिक सिविल सेवकों की क्षमता निर्माण का कार्य भी हाथ में लिया।

आउटरीच और सहकारी परियोजनाओं के भाग के रूप में, एन.सी.जी.जी. ने, ज्ञान और कौशल को मजबूत करके अनुसंधान और प्रशिक्षण कार्य को आगे बढ़ाने के लिए नीति, शासन, लोक प्रशासन, क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण पर काम कर रहे प्रतिष्ठित संगठनों और अनुसंधान संस्थानों के साथ छह सहमति-पत्रों पर हस्ताक्षर किए। केंद्र ने स्वास्थ्य संकट से निपटने के लिए राष्ट्रीय, राज्यीय और स्थानीय स्तर के अधिकारियों द्वारा अपनाई गई पद्धतियों का आकलन, समीक्षा और सूचीयन करने के लिए गुड गवर्नेंस प्रैक्टिसिज इन ए पेंडेमिक' विषय पर एक पुस्तक भी प्रकाशित की। प्रशासन में सुधार और लोगों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने में योगदान करने का अनवरत प्रयास, एन.सी.जी.जी. द्वारा किया जाता रहा है।

***

परिचय

I. एनसीजीजी के बारे में

राष्ट्रीय सुशासन केंद्र (एन.सी.जी.जी.) की स्थापना वर्ष 2014 में, भारत सरकार के कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के अंतर्गत एक शीर्ष स्तर की संस्था के रूप में की गई थी। इसका प्रधान कार्यालय नई दिल्ली में और शाखा कार्यालय मसूरी में है।

एन.सी.जी.जी. का सरोकार सभी क्षेत्रों में स्थानीय, राज्यीय शासन से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक के शासन के विविध मुद्दों से है। इस केंद्र का दायित्व शासन, नीतिगत सुधार और भारत तथा अन्य विकासशील देशों के सिविल सेवकों और टेक्नोक्रेट्स के क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण के क्षेत्रों में काम करने का है। यह केंद्र, भारत सरकार के थिंक टैंक के रूप में भी कार्य करता है।

यह केंद्र, देश के एक शीर्ष स्तर के संस्थान के रूप में, केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों और उसकी एजेंसियों को मार्गदर्शन प्रदान करता है और सुशासन की पहल करने तथा नीतिगत सुधारों को बढ़ावा देने में सहायता करता है।

II. उद्देश्य

एन.सी.जी.जी. के उद्देश्य हैं:

i.) प्रशासनिक, सामाजिक, आर्थिक और वित्तीय क्षेत्रों में शासन और नीतिगत सुधारों के लिए एक थिंक टैंक की भूमिका लेना;

ii.) सरकार और उसके पैरास्टेटल संगठनों के भीतर सुशासन, ई-गवर्नेंस, नवाचार और परिवर्तन प्रबंधन को बढ़ावा देने वाली सर्वोत्तम प्रथाओं, पहलों और कार्य-प्रणालियों संबंधी सूचना की एक नेशनल रिपोजीटरी के रूप में कार्य करना;

iii.) राष्ट्रीय, राज्यीय और स्थानीय स्तरों पर विनियामक एवं विकास प्रशासन, लोक नीति, शासन और सार्वजनिक प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर कार्रवाई अनुसंधान और क्षमता निर्माण के कार्य आरंभ करना और उनमें भाग लेना;

iv.) शासन के प्रमुख मुद्दों पर सलाह देना और भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों तथा राज्य सरकारों के बीच तालमेल विकसित करना;

v.) शासन के नवीन विचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और उनके रेप्लिकेशन को बढ़ावा देना; तथा

vi.) सरकार के भीतर और बाहर, उक्त क्षेत्रों में अनुसंधान और क्षमता निर्माण में लगे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ संपर्क-संवाद करना।

III. शासी निकाय

एन.सी.जी.जी. के मामलों का प्रबंधन, शासी निकाय के समग्र पर्यवेक्षण और निर्देशन में किया जाता है। शासी निकाय की अध्यक्षता कैबिनेट सचिव करते हैं। इसमें भारत सरकार के 9 मंत्रालयों/विभागों के सचिव और 5 अन्य सदस्य शामिल होते हैं। ये अन्य सदस्य शिक्षाविद्, प्रख्यात प्रशासक, विशेषज्ञ, प्रख्यात नवप्रवर्तक, प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रधानों में से होते हैं। महानिदेशक, जो एन.सी.जी.जी. के मुख्य कार्यकारी अधिकारी होते हैं, शासी निकाय के सदस्य-सचिव के रूप में कार्य करते हैं। शासी निकाय की संरचना अनुबंध-I में दी गई है।

IV. प्रबंधन समिति

एन.सी.जी.जी. की एक प्रबंधन समिति है जिसकी अध्यक्षता, प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डी.ए.आर.पी.जी.) के सचिव करते हैं। प्रबंधन समिति की संरचना अनुबंध-II में दी गई है।

वर्ष 2021-22 के दौरान एन.सी.जी.जी. की गतिविधियां

I. मालदीव के सिविल सेवकों की क्षमता का संवर्धन

राष्ट्रीय सुशासन केंद्र लोक नीति, सार्वजनिक सेवा डिलीवरी और शासन के संबंध में क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित करता रहा है। 8 जून, 2019 को माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी की मालदीव की राजकीय यात्रा के दौरान, भारत और मालदीव के बीच 5 वर्ष की अवधि में मालदीव के 1,000 सिविल सेवकों को प्रशिक्षित करने के लिए एक सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर किए गए थे।

सहमति पत्र में परिकल्पना की गई है कि एन.सी.जी.जी. आवश्यकता-अनुरूप प्रशिक्षण मॉड्यूल डिजाइन करने और सिविल सेवा आयोग, मालदीव की आवश्यकताओं को पूरा करने की दृष्टि से, इस सहमति-पत्र के कार्यान्वयन के लिए नोडल संस्थान के रूप में काम करेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रमों में लोक प्रशासन, ई-गवर्नेंस और सार्वजनिक सेवा डिलीवरी, लोक नीति और शासन, सूचना प्रौद्योगिकी, तटीय क्षेत्रों में मत्स्य पालन की सर्वोत्तम प्रथाओं, कृषि-आधारित प्रथाओं, स्वयं सहायता समूह पहल, शहरी विकास और आयोजना, प्रशासन में नैतिकता तथा एसडीजी के कार्यान्वयन में चुनौतियां जैसे विषय शामिल

होंगे। मालदीव सरकार, वरिष्ठ/कार्यकारी/मध्यम प्रबंधन स्तरों के उपयुक्त सिविल सेवकों को नामित करेगी।

इसके अलावा, एन.सी.जी.जी. द्वारा सिविल सेवा आयोग, मालदीव की सहायक संस्था - सिविल सेवा प्रशिक्षण संस्थान को, प्रशिक्षण कार्यक्रम और प्रशिक्षण सामग्री विकसित करने में सहायता प्रदान की जाएगी। साथ ही, एन.सी.जी.जी. द्वारा सिविल सेवा आयोग की जरूरतों के अनुसार विशेषज्ञों के आदान-प्रदान को व्यवस्थित करने में सहायता प्रदान की जाएगी।

क्षमता निर्माण कार्यक्रम के उद्देश्य इस प्रकार हैं:

i.) नीतिगत संवाद और ज्ञान साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करना, जिससे सतत विकास में सुशासन और लोक नीति की भूमिका को रेखांकित किया जा सके;

ii.) शासन, फील्ड एडमिनिस्ट्रेशन और लोक नीति पर मिली सीख, देश-व्यापी अनुभव और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने की सुविधा प्रदान करना;

iii.) आईटी अनुप्रयोगों और ई-गवर्नेंस सहित परियोजनाओं को लागू करने में भारत सरकार द्वारा अपनाई गई रूप-रेखा में निहित विस्तृत अंतर्दृष्टि विकसित करना;

iv.) मुख्य रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य, शहरी सुधार, वित्तीय नीति, ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण, आपदा प्रबंधन, मत्स्यपालन विकास और अन्य क्षेत्रों में लोक नीति एवं शासन के अंतर्विषयी क्षेत्र में विस्तृत अंतर्दृष्टि विकसित करना; तथा

v.) बुनियादी ढांचे के विकास, बिजली परियोजनाओं, परिवहन, स्वयं सहायता समूह, हस्तकला, हथकरघा आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में परिवर्तनकारी परियोजनाओं का प्रत्यक्ष अनुभव कराना।

कोविड-19 महामारी के बावजूद, वर्ष 2021-22 के दौरान, एन.सी.जी.जी. ने पांच बैचों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए और मालदीव गणराज्य के 144 से अधिक सिविल सेवकों को प्रशिक्षित किया। वर्ष 2021-22 के दौरान संचालित क्षमता निर्माण कार्यक्रम का विवरण अनुबंध-III में दिया गया है।

II. जम्मू और कश्मीर प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों का क्षमता निर्माण

सुशासन, लोक नीति और फील्ड एडमिनिस्ट्रेशन पर ध्यान देते हुए, भारतीय प्रशासनिक सेवा की तर्ज पर जम्मू और कश्मीर प्रशासनिक सेवा से संबंधित 2,000 वरिष्ठ अधिकारियों को प्रशिक्षित करने का निर्णय लिया गया। इसकी घोषणा माननीय कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री, डॉ. जितेंद्र सिंह ने श्रीनगर में 1-2 जुलाई, 2021 को आयोजित सुशासन प्रथाओं के रेप्लिकेशन पर क्षेत्रीय सम्मेलन के दौरान की थी। यह सम्मेलन डी.ए.आर. एंड पी.जी. और जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा आयोजित किया गया था।

जम्मू और कश्मीर के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रमों को डिजाइन करने और उन्हें संचालित करने के लिए

नेशनल सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस (एन.सी.जी.जी. तथा जम्मू और कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन एंड रूरल डेवलपमेंट (जे एंड के आई.एम.पी.ए.आर.डी.) के बीच एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। एन.सी.जी.जी. और जे एंड के आई.एम.पी.ए.आर.डी. के बीच कई दौर की बैठकें हुई। इन बैठकों की अध्यक्षता महानिदेशक, एन.सी.जी.जी. और सचिव, डी.ए.आर.एंड पी.जी. ने की थी। एन.सी.जी.जी. को जम्मू और कश्मीर के अधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम के तौर-तरीकों सहित एक रोडमैप की रूपरेखा तैयार करने के लिए शक्तियों का प्रत्यायोजन किया गया। एन.सी.जी.जी. ने मॉड्यूल विकसित किया और एक समय-सारणी तैयार की तथा तीन बैचों में जम्मू और कश्मीर प्रशासनिक सेवा एवं लद्दाख संघ राज्यक्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारियों को प्रशिक्षित किया।

वर्ष 2021-22 के दौरान आयोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का विवरण अनुबंध-IV में दिया गया है।

III. एन.सी.जी.जी. - आईटीईसी वेबिनार

कोविड-19 महामारी की स्थिति में, भारत और पड़ोसी देशों के वरिष्ठ सिविल सेवकों को एक साथ लाने के उद्देश्य से 'प्रशासनिक नवाचार' पर वेबिनार आयोजित किए गए। इन वेबिनारों में, प्रशासन के क्षेत्र में नवीन प्रथाओं के प्रसार पर ज्ञान साझा करने वाले सत्रों को भी प्रोत्साहन मिला। ये वेबिनार विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आयोजित किए गए।

म्यांमार, मालदीव, वियतनाम, भूटान, ट्यूनीशिया, मोरक्को, कंबोडिया, बांग्लादेश, केन्या, आजरबैजान, त्रिनिदाद और टोबैगो, इस्वातिनी किंगडम आदि से 166 अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों ने इन वेबिनारों में भाग लिया।

एन.सी.जी.जी. ने, पासपोर्ट सेवा केंद्र, ई-ऑफिस, इंडिया पोस्ट और उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) जैसे विषयों पर फोकस करते हुए, प्रशासनिक नवाचारों पर कुल 02 एन.सी.जी.जी.-आईटीईसी वेबिनारों का आयोजन किया है। इनका विवरण **अनुबंध-V** पर दिया गया है।

IV. सुशासन वेबिनार श्रृंखला

कोविड-19 महामारी के दौरान एन.सी.जी.जी. ने शासन में आ रही समकालीन चुनौतियों को समझने के उद्देश्य से सुशासन वेबिनारों की एक श्रृंखला आयोजित की।

देश भर के चुनिंदा प्रतिष्ठित वक्ताओं जैसे: श्री संजय भट्टाचार्य, सचिव, (सीपीवी और ओआईए), विदेश मंत्रालय, भारत सरकार; श्री विनीत पांडे, सचिव, डाक विभाग; डॉ. नीता वर्मा, महानिदेशक, एनआईसी; डॉ. शेखर बोनू, डीजी, डीएमईओ, नीति आयोग; श्री सिमरनदीप सिंह, सचिव, आयोजना विकास विभाग, आईटी, खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले विभाग, जम्मू-कश्मीर सरकार; श्री रोहित कंसल, प्रमुख सचिव, विद्युत विकास विभाग, जम्मू-कश्मीर सरकार; प्रो. रमेश के. अरोड़ा, अध्यक्ष, एमडीए, जयपुर; प्रो. सी. शीला रेड्डी, प्रिंसिपल, श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय; डॉ. शालिनी रजनीश, एसीएस (आयोजना), कर्नाटक सरकार; डॉ. राजेंद्र निमजे, डीजी, सीजीजी, हैदराबाद; प्रो. रामब्रह्मम इवातुरी, कुलपति, केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट, ओडिशा; प्रो. सुषमा यादव, सदस्य, यूजीसी; प्रो. रुमकी बसु, प्रोफेसर, लोक प्रशासन और पूर्व प्रमुख, राजनीतिशास्त्र विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया ने इन वेबिनारों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

हर वर्ष, भारत के संविधान के अंगीकरण का जश्न मनाने के लिए 26 नवंबर को भारतीय संविधान दिवस मनाया जाता है। समारोह के हिस्से के रूप में, संविधान में निहित जीवन- मूल्यों और सिद्धांतों को रेखांकित करने के उद्देश्य से अनेक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। वर्ष 2021 में, एन.सी.जी.जी. ने, "सिविल सर्विसिज अंडर द कंस्टीट्यूशन" विषय पर एक वेबिनार आयोजित किया। सचिव, डी.ए.आर.पी.जी. और डीजी, एन.सी.जी.जी., श्री वी. श्रीनिवास ने सत्र की अध्यक्षता की और मुख्य वक्ता प्रो. सी. शीला रेड्डी, प्रिंसिपल, श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, डीयू ने सिविल सेवा अधिकारियों में, भारत के संविधान में निहित लक्ष्यों और आकांक्षाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाए जाने की आवश्यकता पर बल दिया।

एन.सी.जी.जी. ने सिविल सेवाओं के तुलनात्मक इतिहास को रेखांकित करने और 21वीं सदी के लिए प्रासंगिक सिविल सेवा

के निर्माण के प्रयोजन से सुधारों की विस्तृत श्रृंखला पर ध्यान केंद्रित करते हुए 'द कंपेयरेटिव हिस्ट्री ऑफ सिविल सर्विसिज ऑफ यूनाइटिड स्टेट्स ऑफ अमेरिका, नाइजीरिया एंड इंडिया' विषय पर एक वेबिनार आयोजित किया है। प्रो. मेघना सबरवाल, प्रोफेसर और विभाग प्रमुख, सार्वजनिक एवं गैर-लाभकारी प्रबंधन कार्यक्रम, टेक्सास विश्वविद्यालय तथा डॉ. चुकवुका ओनयेक्वेना, कार्यकारी निदेशक, सेंटर फॉर स्टडीज़ ऑफ़ द इकोनॉमीज़ ऑफ़ अफ्रीका ने मुख्य वक्ताओं के रूप में इस वेबिनार को संबोधित किया।

वेबिनार के प्रतिभागियों में वरिष्ठ सिविल सेवक, भारत के 100 से अधिक विश्वविद्यालयों से लोक प्रशासन, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र में विशेषज्ञता वाले शिक्षाविद, भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) के संकाय सदस्य, आकांक्षी जिलों के जिला कलेक्टर, शोध छात्र, विशेषज्ञ वक्ता, एन.सी.जी.जी. के रिसोर्स पर्सन्स, डीएआर एंड पीजी के वरिष्ठ अधिकारी, तथा अन्य लोग शामिल थे।

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान आयोजित सुशासन वेबिनार श्रृंखला का विवरण अनुबंध-VI में दिया गया है।

V. 'एविडेंस बेस्ड पॉलिसी मेकिंग इन गवर्नेंस' विषय पर सम्मेलन

श्री वी. श्रीनिवास, सचिव, डी.ए.आर.पी.जी. और डीजी, एन.सी.जी.जी. की अध्यक्षता में 24 मई 2021 को 'एविडेंस बेस्ड पॉलिसी मेकिंग इन गवर्नेंस' विषय पर एक सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में उन्होंने, नवंबर, 2018 के भाषण के दौरान भारत के माननीय प्रधान मंत्री के उस विजन का हवाला दिया कि वर्ष 2022 तक 'साक्ष्य आधारित नीति निर्माण' शासन का एक हिस्सा होगा। इस सम्मेलन का उद्देश्य, योजना की प्रमुख विशेषताओं, योजना के प्रभावी प्रसार से जुडे पक्षों पर प्रतिष्ठित शिक्षाविदों से उनकी प्रतिक्रिया प्राप्त करने, और सिविल सेवकों, शिक्षाविदों, शोधार्थियों तथा समाज-विज्ञानियों में योजना के प्रति आकर्षण जगाने के लिए ताकि पहली 'नेशनल पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस लेबोरेटरी' की स्थापना सुगम बनाई जा सके।

सम्मेलन में श्रीमती जया दुबे, संयुक्त सचिव, डी.ए.आर.पी.जी., प्रो. रामब्रह्मम इवातुरी, कुलपति, केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट, ओडिशा, प्रो. सुषमा यादव, सदस्य, यूजीसी, प्रो. सी. शीला रेड्डी, प्राचार्य, श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रो. प्रशांत सलवान, प्रोफेसर ऑफ स्ट्रेटेजी एंड इंटरनेशनल बिजिनेस, आईआईएम, इंदौर, प्रोफेसर रुमकी बसु, प्रोफेसर, लोक प्रशासन और पूर्व प्रमुख, राजनीतिशास्त्र विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, प्रोफेसर रमेश के. अरोड़ा, अध्यक्ष, एमडीए, जयपुर, डॉ. राम्या चित्रपू, डॉक्टोरल रिसर्च स्कॉलर, राजनीतिशास्त्र विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय और एन.सी.जी.जी. टीम की प्रो. पूनम सिंह, डॉ. ए.पी. सिंह और डॉ. बी.एस. बिष्ट ने भाग लिया।

सहकारी परियोजनाएं

i) भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग तथा गाम्बिया गणराज्य के लोक सेवा आयोग, राष्ट्रपति कार्यालय के बीच कार्मिक प्रशासन और शासन सुधारों के नवीनीकरण संबंधी एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।

दोनों देशों की लोक सेवाओं के बीच कार्मिक प्रशासन और प्रशासन सुधारों को पुनर्जीवित करने में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 8 जुलाई, 2021 को 3 साल की अवधि के लिए एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।

ii) सेंटर फॉर इनोवेशन इन पब्लिक सिस्टम्स (सीआईपीएस) और नेशनल सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस (एन.सी.जी.जी.) के बीच सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।

एन.सी.जी.जी. और सी.आई.पी.एस. के बीच बौद्धिक संवाद-संपर्क स्थापित करने, बनाए रखने और बढ़ाने के उद्देश्य से एक सहमति पत्र पर 3 जनवरी, 2022 को हस्ताक्षर किए गए। यह कार्य, बौद्धिक संवाद-संपर्क, विशिष्ट पहलों जैसे कि ज्ञान के आदान-प्रदान और अनुकरणीय नवोन्मेषी मॉडलों को साझा करने; प्रतिनिधिमंडलों की मेजबानी और यात्राओं के संबंध में एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर करने; संयुक्त दायित्व स्वीकार करने; अवसंरचना सुविधाओं को साझा करने और प्रासंगिक प्रकाशनों का आदान-प्रदान करने के माध्यम से संपन्न किया जाना है।

iii) आईसी सेंटर फॉर गवर्नेंस, नई दिल्ली और नेशनल सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस (एन.सी.जी.जी.) के बीच सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए

11 मार्च, 2022 को 5 साल की अवधि के लिए प्रशासन में सर्वोत्तम प्रथाओं पर केस स्टडी तैयार करने और व्यापक रूप से अपनाए जाने तथा उनकी तर्ज पर प्रथाओं को अपनाए जाने के लिए इनका प्रसार करने एवं लोक प्रशासन की गुणवत्ता में सुधार की दृष्टि से प्रशासनिक सुधारों पर शोध अध्ययन आयोजित करने जैसे क्षेत्रों पर एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।

iv) भारतीय प्रबंधन संस्थान, विशाखापत्तनम और राष्ट्रीय सुशासन केंद्र (एन.सी.जी.जी.) के बीच सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए

शैक्षणिक उपाधि प्रदान करने वाले कार्यक्रमों का संयुक्त रूप से पता लगाने; संसाधन साझा करने के लिए सहयोग करने, संबंधित संस्थागत दिशानिर्देशों के अनुरूप संयुक्त परामर्श और अनुसंधान परियोजनाओं में संकाय विशेषज्ञों की भागीदारी कराने; साझा हित के क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान की गतिविधियों को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने; संयुक्त गतिविधियों में सहयोग करने और शैक्षणिक संकाय तथा शोधकर्ताओं के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करने के लिए 29 जुलाई, 2021 को 5 साल की अवधि के लिए एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।

v) भारतीय प्रबंधन संस्थान, इंदौर और राष्ट्रीय सुशासन केंद्र (एन.सी.जी.जी.) के बीच सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए

शैक्षणिक कर्मचारियों और विद्यार्थियों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने; डिग्री प्रदान करने वाले कार्यक्रमों का पता लगाने; सहयोग करने और संसाधन साझा करने, दोनों संस्थानों के दिशानिर्देशों के अनुसार संयुक्त परामर्श अनुसंधान परियोजनाओं में संकाय विशेषज्ञों की भागीदारी कराने; लोक प्रशासन और सुशासन में संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम डिजाइन करने और संचालित करने; समान हित के क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान की गतिविधियों को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने; संयुक्त सामाजिक पहल, नीति निर्माण, सुशासन सूचकांक रैंकिंग और शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रयोजनों से उपयोग में लाए जाने वाले अनुसंधान और शैक्षिक डेटा के आदान-प्रदान में सहयोग की सुविधा के लिए 9 अगस्त, 2021 को 3 साल की अवधि के लिए एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।

vi) जम्मू और कश्मीर सरकार के जम्मू और कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन एंड रूरल डेवलपमेंट (जे एंड के आई.एम.पी.ए.आर.डी.) और नेशनल सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस (एन.सी.जी.जी.) के बीच सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।

अकादमिक और बौद्धिक संपर्क स्थापित करने, बनाए रखने और बढ़ाने के उद्देश्य से 1 जुलाई, 2021 को 5 साल की अवधि के लिए एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए थे। 2,000 वरिष्ठ अधिकारियों के लिए संचालित प्रशिक्षण गतिविधियों में क्षमता निर्माण कार्यक्रमों और सुशासन से संबंधित प्रथाओं में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना, सामान्य वित्तीय नियम (जीएफआर) 2017, सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी), और जीईएम पर ध्यान केंद्रित करने के साथ ई-प्रापण करना शामिल है। इसका उद्देश्य भारत सरकार के कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के आईएएस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अनुरूप मिड-कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम को बढ़ाना है।

vii) राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान (एन.आई.आर.डी. एंड पी.आर.), हैदराबाद तथा राष्ट्रीय सुशासन केंद्र (एन.सी.जी.जी.) के बीच सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।

सर्विस डिलीवरी एवं सुशासन के क्षेत्र में विकास कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन एवं प्रबंधन के लिए अनुभव साझा करने तथा तालमेल बनाने के लिए 17 जनवरी, 2022 को 3 साल की अवधि के लिए एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। इस सहयोग में क्षमता निर्माण कार्यक्रम; संयुक्त परियोजनाएं; बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाएं; रिसोर्स पर्सन्स का आदान-प्रदान; प्रतिनिधिमंडलों की मेजबानी और यात्राएं; बुनियादी सुविधाओं की साझेदारी और प्रासंगिक प्रकाशनों का आदान-प्रदान भी शामिल है।

प्रकाशन

एन.सी.जी.जी. में नोडल अधिकारी प्रो. पूनम सिंह और डॉ. बी एस बिष्ट द्वारा संपादित 'गुड गवर्नेंस प्रैक्टिसेज इन ए पैनडेमिक' नामक पुस्तक राष्ट्रीय सुशासन केंद्र द्वारा तैयार और लोकार्पित की गई।

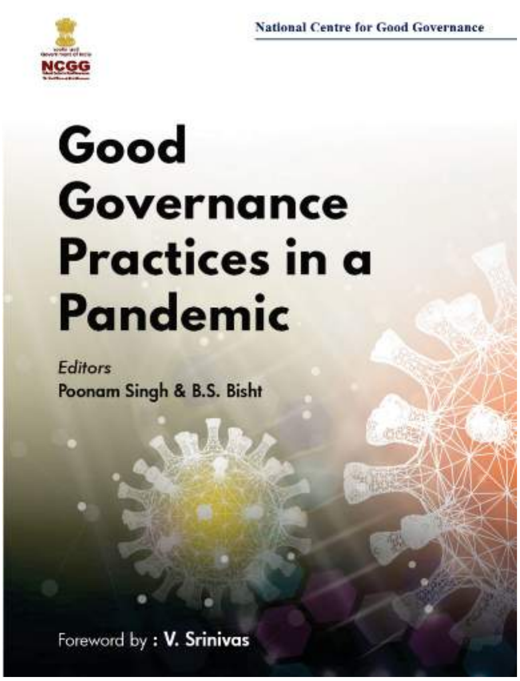

यह पुस्तक महामारी के दौरान भारत की शासन पद्धतियों की स्थिति का आकलन करने का एक स्वतंत्र और अग्रणी प्रयास है। लोक प्रशासन विभाग, लोक नीति केंद्र, मानविकी और सामाजिक विज्ञान पीठ, स्कूल ऑफ पॉलिटिकल साइंसिज, लोक नीति और लोक प्रशासन विभाग जैसे विभिन्न विभागों के 100 शिक्षाविदों सहित 40 से अधिक विश्वविद्यालयों से अनुरोध किया गया था कि वे, 15 जुलाई, 2020 को आयोजित सम्मेलन के दौरान आलेख प्रस्तुत करें। राष्ट्रीय, राज्यीय और जिला स्तर की प्रासंगिकता वाले 16 लेखों की समीक्षा की गई। इस पुस्तक में, भारत में कोविड-19 संबंधी मुद्दों पर वास्तविक जीवन के अद्यतन अनुभव दिए गए हैं और यह, दूसरों के लिए एक उपयोगी शिक्षण सामग्री तथा टूलकिट के रूप में कार्य करती है ताकि यह समझा जा सके कि अभी तक किस प्रकार के उपाय सफल रहे हैं और वायरस से लड़ने के तरीके कौन-कौन से हैं। यह पुस्तक, भारत में महामारी के दौरान सुशासन प्रथाओं के उन महत्वपूर्ण पहलुओं की पडताल करती है जो नीति निर्माताओं, विशेषज्ञों, विशेष ज्ञान रखने वालों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों और भारत में हो रही पहल-कदमियों पर नजर रखने वालों के लिए रुचिकर होगी।

एन.सी.जी.जी., मसूरी में उपलब्ध सुविधाएं

मसूरी के भवन परिसर में फैकल्टी रूम, स्टाफ के लिए ऑफिस स्पेस, लाइब्रेरी, कंप्यूटर लेबोरेटरी, कॉन्फ्रेंस हॉल, अतिथि कक्ष, डाइनिंग हॉल, किचन और लाउंज शामिल हैं।

पुस्तकालय में क्षेत्रीय और शहरी नियोजन, पर्यावरण अध्ययन पर एक विशेष संग्रह तथा एन.सी.जी.जी. द्वारा किए गए विभिन्न शोध अध्ययनों की रिपोर्टें शामिल हैं। केंद्र के उपयोग के लिए अकादमी के गांधी स्मृति पुस्तकालय की कम्प्यूटरीकृत सूची और ग्रंथ सूची सेवाएं भी उपलब्ध हैं।

कंप्यूटर प्रयोगशाला में दस वर्कस्टेशन, डिजिटाइज़िंग और स्कैनिंग सुविधाएं, कलर प्रिंटर, वर्ड प्रोसेसिंग और सांख्यिकीय सॉफ़्टवेयर हैं।

सम्मेलन कक्ष में अधिकतम 40 प्रतिभागी बैठ सकते हैं और यहां पर मल्टी-मीडिया सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

एन.सी.जी.जी. टीम

श्री वी. श्रीनिवास

महानिदेशक, एन.सी.जी.जी. और सचिव, डी.ए.आर.पी.जी., भारत सरकार

श्री वी. श्रीनिवास, वर्ष 1989 में 22 वर्ष की आयु में भारतीय प्रशासनिक सेवा में शामिल हुए, और अब तक लगभग 32 वर्ष की विशिष्ट सेवा प्रदान कर चुके हैं। उन्होंने एम्स के उप निदेशक (प्रशासन), भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार के महानिदेशक, भारत सरकार के कपड़ा मंत्रालय में संयुक्त सचिव, भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय में संयुक्त सचिव, राजस्थान के राजकीय वित्त और नियोजन विभाग के सचिव, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में भारत के कार्यकारी निदेशक के सलाहकार (2003-2006), भारत के वित्त मंत्री के निजी सचिव और विदेश मंत्री के निजी सचिव के रूप में कार्य किया है। उन्होंने लोक वित्त और लोक प्रशासन पर 162 आलेख/शोध-पत्र लिखे हैं और 63 व्याख्यान दिए हैं। वह एक वरिष्ठ नीति निर्माता, शिक्षाविद और एक उत्कृष्ट इंस्टीट्यूशन बिल्डर हैं।

प्रो. पूनम सिंह

एसोसिएट प्रोफेसर

प्रो. पूनम सिंह, एन.सी.जी.जी., नई दिल्ली में प्रशिक्षण की नोडल अधिकारी हैं। उन्होंने 1990-94 तक गया कॉलेज, गया (मगध विश्वविद्यालय, बिहार) में व्याख्याता के रूप में काम किया; बिहार शिक्षा परियोजना, डीपीईपी और सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए) में 1998 से सितंबर, 2005 तक काम किया। वे डीपीईपी तथा एसएसए के कार्यान्वयन से जुडी रहीं। अक्टूबर, 2005 से वे, तत्कालीन एनआईएआर, एल.बी.एस.एन.ए.ए. (अब एन.सी.जी.जी.) के साथ काम कर रही हैं। उन्होंने, शासन के मुद्दों पर क्षमता निर्माण कार्यक्रमों, राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के लिए सर्व शिक्षा अभियान हेतु वार्षिक कार्य योजना और बजट से संबंधित विभिन्न प्रतिष्ठित परियोजनाओं पर समन्वय कार्य किया है। वह योजना अनुमोदन बोर्ड (पीएबी), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की सदस्य रही हैं। प्रशिक्षण की नोडल अधिकारी के रूप में, वह बांग्लादेश, म्यांमार, मालदीव, जैसे पड़ोसी देशों और कंबोडिया, गाम्बिया एवं दक्षिण अफ्रीकी देशों के वरिष्ठ सिविल सेवकों के लिए शासन के मुद्दों पर क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के परामर्श से मॉड्यूल का समन्वय और डिजाइन करती हैं।

डॉ. ए.पी. सिंह
एसोसिएट प्रोफेसर

उन्हें सामाजिक विज्ञान अनुसंधान करने और प्रबंधन, शासन, प्रशासन और सार्वजनिक निजी भागीदारी के क्षेत्र में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण आयोजित करने का अनुभव है। उन्होंने, सांख्यिकी में एम.फिल और पीएच-डी. किया है और डेटा विश्लेषण क्षेत्र में उनकी विशेषज्ञता है। वह भूमि सुधार, शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में काम करते रहे हैं। उन्होंने प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में कई रचनाएँ प्रकाशित की हैं और अनेक पुस्तकें लिखी हैं। वह विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों के अनेक शोध अध्ययनों के सफल समापन और प्रकाशन से जुड़े रहे हैं। उन्होंने विभिन्न देशों के सिविल सेवकों के लिए 75 अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों और प्रतिष्ठित संगठनों जैसे लोकसभा सचिवालय, राज्यीय सिविल सेवकों, कोल इंडिया के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए कई राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक समन्वय किया है।

डॉ. भूपेंद्र सिंह बिष्ट
एसोसिएट प्रोफेसर

श्री बिष्ट ने भूगोल में एमए और पीएच-डी. की उपाधि प्राप्त की है। उनके पास अनुसंधान, विकास और प्रशिक्षण में 20 से अधिक वर्ष का अनुभव है। उन्होंने जीबीपीआईएचईडी (पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार का एक संगठन) में शोध वैज्ञानिक के रूप में काम किया है और उत्तराखंड प्रशासन अकादमी, नैनीताल में एक संकाय सदस्य के रूप में भी सेवाएं दी हैं। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 30 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए हैं तथा 'ग्रामीण भारत में स्वच्छता और स्वास्थ्य: समस्या और प्रबंधन विकल्प' पर श्री आलोक कुमार, आईएएस पूर्व उप निदेशक, (एल.बी.एस.एन.ए.ए.) के साथ, 'डीसेंट्रलाइज्ड गवर्नेंस ऑन वॉटर एंड सेनिटेशन इन इंडिया' पर श्री कुश वर्मा, आईएएस, पूर्व महानिदेशक, एन.सी.जी.जी एवं डॉ. एडेन क्रोनिन, प्रधान, जल एवं स्वच्छता, यूनिसेफ, इंडोनेशिया के साथ और 'गुड गवर्नेंस प्रेक्टिसिज इन ए पेनडेमिक' पर श्री वी. श्रीनिवास, आईएएस, सचिव, डी.ए.आर.पी.जी. एवं पूर्व महानिदेशक, एन.सी.जी.जी. तथा एन.सी.जी.जी. की प्रो. पूनम सिंह के साथ मिलकर तीन पुस्तकों का संपादन किया है। डॉ. बिष्ट ने देश भर में जल और स्वच्छता, लोक नीति और प्रशासन और उन्नत नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर 90 क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया है।

डॉ गजाला हसन
सहायक प्रोफेसर

वह सोशल सेक्टर, एसएसए, प्रशिक्षण और प्रबंधन विकास कार्यक्रमों से जुडे विभिन्न शोध अध्ययनों में शामिल रही हैं। उनके पास जामिया मिलिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली की एम.कॉम, पीएच.डी. (वाणिज्य) की डिग्री है। साथ ही, उन्होंने एल.बी.एस.एन.ए.ए., मसूरी से डायरेक्ट ट्रेनर स्किल्स (डीटीएस) कोर्स भी किया है।

श्री संजीव शर्मा
रिसर्च एसोसिएट

उन्होंने सिविल सेवकों के लिए 75 अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों और प्रतिष्ठित संगठनों जैसे लोकसभा सचिवालय, राज्यीय सिविल सेवा अधिकारियों और कोल इंडिया लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए राष्ट्रीय स्तर के अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सफल समन्वयन किया है। उन्होंने पत्रिकाओं और पुस्तकों में शोध आलेख प्रकाशित किए हैं। वह मात्रात्मक और सांख्यिकीय विश्लेषण में कुशल हैं। उन्होंने एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर से एमए (समाजशास्त्र), एमए (अंग्रेजी) की डिग्री और साईनाथ विश्वविद्यालय, रांची से पीएच-डी. (समाजशास्त्र), एमसीआरपी विश्वविद्यालय, भोपाल से पीजीडीसीए की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने एल.बी.एस.एन.ए.ए. में डायरेक्ट ट्रेनर स्किल्स (डीटीएस) कोर्स पूरा किया है। साथ ही, ग्राफिक एरा, देहरादून से डीटीपी और ऑटो कैड में सर्टिफिकेट कोर्स भी किया है।

डॉ. मुकेश के. भंडारी
रिसर्च एसोसिएट

वे, अन्य कार्यों के साथ-साथ, सिविल सेवकों के लिए 75 अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों और प्रतिष्ठित संगठनों जैसे लोकसभा सचिवालय, राज्यीय सिविल सेवकों, कोल इंडिया लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए राष्ट्रीय स्तर के अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के सफल समन्वय से जुड़े रहे हैं। उन्होंने हिमाचल प्रदेश तथा जम्मू और कश्मीर राज्य के जिला अधिकारियों तथा ग्राम पंचायत सदस्यों को 'मूल निवासियों के अधिकार' विषय पर प्रशिक्षण देने के लिए रिसोर्स पर्सन के रूप में प्रग्या इंटरनेशनल संगठन द्वारा आयोजित चार प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया है। उन्होंने, लोकनीति, सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज द्वारा आयोजित अनुसंधान कार्यक्रम: असेंबली इलेक्शन स्टडी 2002 (पोस्ट इलेक्शन सर्वे) में क्षेत्र पर्यवेक्षक के रूप में भी काम किया है। उन्होंने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला से एमए (राजनीति विज्ञान), एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर से पीएच-डी. (राजनीति विज्ञान) डिग्री, ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ लोकल सेल्फ गवर्नमेंट, बॉम्बे से स्थानीय स्वशासन में डिप्लोमा और एल.बी.एस.एन.ए.ए., मसूरी से डायरेक्ट ट्रेनर स्किल्स (डीटीएस) पाठ्यक्रम पूरा किया है।

श्री संदीप गर्ग
वित्त अधिकारी

श्री गर्ग, व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय के लेखा महानियंत्रक (सीजीए) कार्यालय के अधिकारी हैं। उन्होंने आईएनजीएएफ द्वारा संचालित कंप्यूटर ऑडिट तकनीकों का प्रशिक्षण लिया है। उन्हें पीएफएमएस ऑनलाइन पोर्टल और सरकारी लेखाओं एवं आंतरिक लेखापरीक्षा में काम करने का अनुभव है। उनके पास बी.एससी भौतिकी (ऑनर्स) की डिग्री है।

अनुबंध - I

राष्ट्रीय सुशासन केंद्र के शासी निकाय के सदस्य

1.	कैबिनेट सचिव	अध्यक्ष
2.	सचिव, प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग	उपाध्यक्ष
3.	सचिव, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग	सदस्य
4.	सचिव, ग्रामीण विकास विभाग	सदस्य
5.	सचिव, आवास और शहरी कार्य मंत्रालय	सदस्य
6.	सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग	सदस्य
7.	सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग	सदस्य
8.	सचिव, आर्थिक कार्य विभाग	सदस्य
9.	सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	सदस्य
10.	सचिव, कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग	सदस्य
11.	शिक्षाविद/ प्रख्यात प्रशासक/ विशेषज्ञ/ प्रतिष्ठित नवप्रवर्तक/ प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रमुख	सदस्य (5)
12.	महानिदेशक, एन.सी.जी.जी.	सदस्य-सचिव

अनुबंध - II

राष्ट्रीय सुशासन केंद्र की प्रबंधन समिति के सदस्य

1.	सचिव, प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग	अध्यक्ष
2.	सचिव समन्वय, कैबिनेट सचिवालय	सदस्य
3.	अपर सचिव एवं वित्त सलाहकार (गृह)	सदस्य
सचिव या उनके नामिती जो संयुक्त सचिव के स्तर से नीचे के न हों		
4.	कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग	सदस्य
5.	ग्रामीण विकास विभाग	सदस्य
6.	आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय	सदस्य
7.	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग	सदस्य
8.	उच्चतर शिक्षा विभाग	सदस्य
9.	आर्थिक कार्य विभाग	सदस्य
10.	इलेक्ट्रानिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग	सदस्य
11.	कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण मंत्रालय	सदस्य
12.	महानिदेशक, एन.सी.जी.जी.	सदस्य-सचिव

अनुबंध - III

मालदीव के सिविल सेवकों के लिए फील्ड एडमिनिस्ट्रेशन में क्षमता निर्माण कार्यक्रम का विवरण

क्रम संख्या	कार्यक्रम	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1.	मालदीव गणराज्य के सिविल सेवकों के लिए फील्ड एडमिनिस्ट्रेशन में छठा क्षमता निर्माण कार्यक्रम	27 सितंबर - 9 अक्टूबर, 2021	30
2.	मालदीव गणराज्य के सिविल सेवकों के लिए फील्ड एडमिनिस्ट्रेशन में 7वां क्षमता निर्माण कार्यक्रम	नवंबर 8-19, 2021	30
3.	मालदीव गणराज्य के सिविल सेवकों के लिए फील्ड एडमिनिस्ट्रेशन में 8वां क्षमता निर्माण कार्यक्रम	दिसंबर 20-31, 2021	29
4.	मालदीव गणराज्य के सिविल सेवकों के लिए फील्ड एडमिनिस्ट्रेशन में 9वां और 10वां क्षमता निर्माण कार्यक्रम	28 फरवरी - 11 मार्च, 2022	55
	कुल प्रतिभागी		**144**

अनुबंध - IV

जम्मू और कश्मीर प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए फील्ड एडमिनिस्ट्रेशन में क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का विवरण

क्रम संख्या	कार्यक्रम	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1.	जम्मू और कश्मीर प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए फील्ड एडमिनिस्ट्रेशन में पहला क्षमता निर्माण कार्यक्रम	30 अगस्त - 10 सितंबर, 2021	32
2.	जम्मू और कश्मीर प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए फील्ड एडमिनिस्ट्रेशन में दूसरा क्षमता निर्माण कार्यक्रम	दिसंबर 13-24, 2021	30
3.	जम्मू और कश्मीर प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए फील्ड एडमिनिस्ट्रेशन में तीसरा क्षमता निर्माण कार्यक्रम	मार्च 14-25, 2022	30
	कुल प्रतिभागी		**92**

अनुबंध - V

एन.सी.जी.जी.-आईटीईसी वेबिनार श्रृंखला का विवरण

क्रम संख्या	शीर्षक	दिनांक
1.	प्रशासनिक नवोन्मेष पर एन.सी.जी.जी. - आई टी ई सी वेबिनार - पासपोर्ट सेवा केंद्र और ई-ऑफिस	6 अगस्त, 2021
2.	एन.सी.जी.जी. – आईटीईसी वेबिनार ऑन एडमिनिस्ट्रेटिव इनोवेशन - इंडिया पोस्ट और उडान	सितंबर 3, 2021

अनुबंध - VI

सुशासन वेबिनार श्रृंखला का विवरण

क्रम संख्या	शीर्षक	दिनांक
1.	विश्वव्यापी शासन संकेतकों और सुशासन सूचकांक पर वेबिनार	अप्रैल 16, 2021
2.	एन.सी.जी.जी. –आईआईएम इंदौर - टेक्सास विश्वविद्यालय का वेबिनार - क्या नेतृत्व मायने रखता है? लोक सेवा में नौकरी से संतुष्टि और प्रतिबद्धता में सुधार	25 जून, 2021
3.	सतत विकास प्राप्त करने में सुशासन के सिद्धांतों और संस्थानों की भूमिका पर वेबिनार	जून 29, 2021
4.	जनता के सशक्तीकरण के लिए प्रभावी, जवाबदेह, समावेशी शासन और लोक प्रशासन सुधार पर वेबिनार	30 जुलाई, 2021
5.	संयुक्त राज्य अमेरिका, नाइजीरिया और भारत की सिविल सेवाओं के तुलनात्मक इतिहास पर वेबिनार	18 अगस्त, 2021
6.	72वां भारतीय संविधान दिवस समारोह - भारतीय संविधान के अंतर्गत सिविल सेवाओं पर वेबिनार	26 नवंबर, 2021
7.	केंद्रीय सचिवालय सेवाओं पर वेबिनार - नए भारत की चुनौतियों का सामना करना	2 दिसंबर, 2021

टिप्पणियाँ

टिप्पणियाँ

आज़ादी का
अमृत महोत्सव
NCGG
Azadi Ka
Amrit Mahotsav
2nd Capacity Building Programme in Field Administration for the Senior Officials of
Jammu & Kashmir Administrative
(JKAS)
VALEDICTORY ADDRESS
Chief Guest
DR. JITENDRA SINGH
Hon'ble Minister of State for Personnel, Public Grievances & Pensions,
Government of India
on
24th December 2021 | 12:00 Noon - 01:00
Institute (CSOI)

सत्यमेव जयते
Government of India

NCGG
National Centre for Good Governance
The Torch Bearer of Good Governance

राष्ट्रीय सुशासन केंद्र
ब्लॉक IV, चौथा तल, पुराना जे एन यू कैंपस,
न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली - 110 067
टेलिफोन: +91-011-2616 9136 - 39
ई-मेल: ncgg-dopt@nic.in

www.ncgg.org.in NCGG_GoI NCGG India